

#### ग्रसाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग I--- ख़ण्ड 1

### PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रहाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

#i∘ 89]

नई बिल्ली, मंगलयार, भ्राप्रेल 25, 1972/वैशाख 5, 1894

No. 89]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 25, 1972/VAISAKHA 5, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी दशकी है दि हुई, कि यह इ.स.ग संब सन श्रं रूप में रक्ता दश र के।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

#### RESOLUTION

New Delhi, the 25th April, 1972

No. F.16013/2/71-TexF.—The Government of India by a Resolution dated the 27th February, 1971, adopted the following prices of rayon tyreyarn/cord/fabrics upto 31st December, 1971:

Prices for rayon tyre yarn/cord/fabrics ex-works exclusive of excise duty

	Yarn	Cord (Rupces p	oer kg.) Fabrics
Super II materials Super I materials	12,25	00. E1	13,50
	10,25	00, 11	11,50

<sup>2.</sup> The Government had also indicated in the above quoted Resolution that demand/supply/market situation obtaining towards the beginning of the third quarter of 1971 would be analysed so as to secure fixation of prices after 31st December, 1971. Government have requested the Tariff Commission to undertake this analysis. Pending the receipt of the report. Government have decided to continue for the present the prices as detailed in para 1 above.

K. KISHORE, Jt. Secy.

# ब्रिदेश ध्याप र मत्रास्त्र

### संकल्प

# नई दिल्ली. 25 अप्रैल 1972

सं॰ ए ह॰ 16013/2/71-दरस एक.--भारत सरकार ने, दिनांक 27 फरवरी, 1971, के संकत्र के अनुपार 31-12-1971 तक रेयन टायर धार्य/कार्ड/फेंब्रिक्स की निम्नलिखित कीमलें क्वीकार की :---

जत्यादन शुल्क को छोड़कर रेयन टायर धार्गे/कार्ड/फैबिक्स की कारखाने से निकलते.समय की कीमत

					द्यागा		ते किग्रा०) हैविक्स
सुपर 2 माल	•		•	•	12.25	13.00	13.50
भुपर 1 माल		•	1		10.25	11.00	11.50

<sup>2.</sup> सरकार ने उपरोक्त संकल्प में यह भी वताया था कि 1971 की तीसरी तिमाही के प्रारम्भ में मांग सम्बाई वाजर की जो स्थित रहेगी, उपका विश्लेषण किया जायेगा ताकि 31-12-71 के बाद की नों का निर्धारण किया जा गरें। आरत सरकार ने टैरिफ कमोगत से यह विश्लेषण करने का अपूरीय किया है। जब तक रिपोर्ट नहीं प्रा जाती, तब तक के लिए सरकार ने उपरोक्त कहिका 1 में दी गई की मतों की जारी रखने का वितिश्वय किया है।

के० किशोर, संयुक्त सचिव।